जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

02 मई 2023

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया और आईएसबी के बीच "फ़ॉरेस्ट इकॉनमी" पर MoU साइन

एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर (AJKMCRC), जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने "फ़ॉरेस्ट इकॉनमी" को बढ़ावा देने के लिए अपने शोध संस्थान भारती इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक पॉलिसी (BIPP) के माध्यम से इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (ISB) के साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण **MoU** पर हस्ताक्षर किए। इस **MoU** के तहत दोनों संस्थाएं मिलकर वनवासियों को वन उपज के विपणन के तरीकों और साधनों के बारे में जानकारी प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने के लिए काम करेंगी, जो उनकी आजीविका का प्राथमिक स्रोत है। वनवासियों को सूचना प्रसारित करने के लिए विभिन्न मास मीडिया तकनीकों और कार्यक्रमों का उपयोग किया जाएगा।

यह समझौता ज्ञापन एजेकेएमसीआरसी औरआईएसबी-बीआईपीपी के बीच शैक्षणिक और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर केंद्रित है ताकि बड़े पैमाने पर आईएसबी-बीआईपीपी की पहल के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सामुदायिक वन संसाधन अधिकार (सीएफआर) और महिला उद्यमों के लिए एक स्केलेबल और टिकाऊ वन अर्थव्यवस्था और आजीविका का विकास किया जा सके।

जामिया की वाइस चांसलर प्रो. नजमा अख्तर ने विकास पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, “सतत विकास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यह एक बहुत ही सकारात्मक कदम है। आईएसबी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से विश्वविद्यालय और आईएसबी के अन्य विभागों के बीच सहयोग का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

MoU की भावना के अनुरूप, आईएसबी-बीआईपीपी के कार्यकारी निदेशक, प्रोफेसर अश्विनी छत्रे ने कहा, “छात्र इस सतत विकास में राष्ट्रीय और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक स्थायी वन अर्थव्यवस्था के सपने को साकार करेंगे। इस सहयोग से ज्ञान और अनुभव से लैस छात्र अवसर के रूप में वनों की दृष्टि को साकार करके परिवर्तन के दूत बनेंगे।"

समझौता ज्ञापन के क्रम में, दोनों संस्थान अनुसंधान और शैक्षिक कार्यक्रमों, शिक्षण, शिक्षण सामग्री और उनके शैक्षिक और अनुसंधान कार्यक्रमों से संबंधित अन्य साहित्य पर जानकारी का आदान-प्रदान करने के लिए मिलकर काम करेंगे। दोनों संस्थान संयुक्त रूप से पारस्परिक हित के विषयों पर शार्ट टर्म शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करेंगे और एक दूसरे के संकाय सदस्यों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित करेंगे।

दोनों संस्थान संयुक्त रूप से आपसी हित के विषयों पर सेमिनार, सम्मेलन या कार्यशाला आयोजित करेंगे और इसमें एक-दूसरे के फैकल्टी को आमंत्रित करेंगे। वे वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान या प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संयुक्त रूप से प्रस्ताव भेजेंगे और एक दूसरे के संकाय को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित करेंगे और वे पारस्परिक आधार पर स्नातक, स्नातक और डॉक्टरेट स्तर पर शैक्षिक या अनुसंधान का आदान-प्रदान करेंगे।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया